वन क्षेत्राधिकारी (मुख्य) परीक्षा - 2015

No. of Printed Pages : 4

VRA- 03

2015

सामान्य हिन्दी

GENERAL HINDI

निर्धारित समय : तीन घण्टे] *[पूर्णांक : 100*

नोट : (i) *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

(ii) *प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके अन्त में इंगित हैं ।*

(iii) *एक प्रश्न के सभी भागों का उत्तर अनिवार्यत: एक साथ दिया जाय ।*

(iv) *पत्र लेखन में अपना नाम, पता अथवा अनुक्रमांक न लिखें । यदि अनिवार्य हो तो क्ष, त्र, ज्ञ (x, y, z) लिख सकते हैं ।*

खण्ड – 'अ'

1. न कोई वस्तु शून्य से बनती है, न कोई वस्तु शून्य में विलीन हो सकती है । वह सूक्ष्म से सूक्ष्म और स्थूल से स्थूल रूप ग्रहण कर सकती है । समस्त विश्व इसी क्रम से चल रहा है । एक ऐसा भी समय आता है, जब वह संपूर्ण विश्व गलकर सूक्ष्म हो जाता है । अंत में मानो पूर्णतया विलुप्त ही हो जाता है, किंतु अत्यंत सूक्ष्म भौतिक पदार्थ के रूप में विद्यमान रहता है ।

यह जगत् अपने मूल कारणों में प्रत्यावर्तन करेगा और उसकी सामग्री संघटित होकर अवरोह, आरोह करती, विभिन्न आकार ग्रहण करती, लहरों के समान बनती-बिगड़ती रहेगी । कारण में बदलकर लौट जाने और पुन: बाहर निकल आने की प्रक्रिया को संस्कृत में क्रमश: 'संकोच' और 'विकास' कहते हैं । इसका अर्थ है सिकुड़ना और फैलना ।

समस्त विश्व संकुचित होता और फिर प्रसार प्राप्त करता है । आधुनिक विज्ञान के अधिक मान्य शब्दों का प्रयोग करें, तो-वह अंतर्भुत और बहिर्भूत – सन्निहित और विकसित होता है । प्रत्येक विकास के पहले अंतर्भाव का होना आवश्यक है । हमें यह ज्ञात है कि जगत् में उपलब्ध ऊर्जा का पूर्ण योग सदैव समान रहता है और भौतिक पदार्थ अविनाशी है । आप किसी भी प्रकार भौतिक पदार्थ का एक परमाणु भी घटा-बढ़ा नहीं सकते । न ही आप एक फुट-पाउंड ऊर्जा कम कर सकते हैं और न जोड़ सकते हैं । संपूर्ण योग सदैव वही रहेगा । संकोच और विकास के कारण केवल अभिव्यक्ति में अंतर रहेगा । इसलिए यह प्रस्तुत चक्र अपने पूर्वगामी चक्र के अंतर्भाव या संकोचन से प्रसूत विकास का चक्र है ।

(क) रेखांकित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए । **10 + 5 = 15**

(ख) उक्त गद्यांश पर आधारित प्रत्यावर्तन के सिद्धान्त तथा उससे जुड़े तथ्यों पर पाँच वाक्य लिखिए ।

2. भारत, नीचे क्षितिज – स्पर्शी असीम सागर से वेष्टित और ऊपर नभ-चुम्बी हिमालय के अंचल से छादित, जिसकी अपनी सीमाएँ छूती हैं एक खड़ी परा-सीमा को और एक पड़ी परा-सीमा को; जो भा-रत होकर आलोक की खोज में लवलीन रहा है और जिसने कहीं से भी आती हुई प्रज्ञा-किरणों को स्वीकार किया है और अपने विमल मानस में धारण करके और चमका दिया है, जिसने अनेकता में एकता पाई है क्योंकि वह अपनी एकता में अनेक को अपना सका है, सह सका है ।

जो आगे भी सह सकता है जो आगे भी अनेकता में एकता को उद्भावित कर सकता है क्योंकि वह एकता में अनेकता को पनपने दे सकता है । भारत की संस्कृति एक जड़ धातु-पिंड नहीं है, वह निधि है जिसकी मंजूषाओं में नाना रत्न संग्रहीत हुए हैं और होते रहेंगे; वह एक परम्परा है जिसमें मानव का ज्ञानालोकित उद्योग कड़ी-कड़ी जोड़ता रहा है, जिसका सजीव प्रसार काल के विस्तार को कोली भरकर भेंटने की स्पर्धा करता है ।

(क) इस अवतरण का उचित शीर्षक लिखिए । **5 + 10 = 15**

(ख) गद्यांश में व्यक्त विचारों का एक तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए ।

3. (क) कार्यालय आदेश किसे कहते हैं ? कार्यालय आदेश एवं अधिसूचना में क्या अन्तर है ? दोनों का उदाहरण देते हुए समझाइए । **10 + 10 = 20**

(ख) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड सरकार, देहरादून की ओर से एक परिपत्र का आलेख प्रस्तुत कीजिए जिसमें प्रत्येक माह के तृतीय शनिवार को पर्यावरण-रक्षण हेतु जागरूकता अभियान चलाए जाने का आदेश हो ।

4. (अ) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **तीन** शब्दों में उपसर्ग तथा किन्हीं **दो** शब्दों में प्रत्यय अलग कीजिए : **5**

(i) उपाख्यान

(ii) अत्यंत

(iii) निरर्थक

(iv) प्रत्याशा

(v) नत

(vi) चयन

(vii) अभ्युदय

(आ) निम्नलिखित किन्हीं **पाँच** शब्दों के विलोम लिखिए : **5**

(i) अल्पायु

(ii) अज्ञ

(iii) अग्र

(iv) खंडन

(v) धृष्ट

(vi) संक्षेपण

(vii) शाश्वत

(इ) निम्नलिखित वाक्यांशों में से किन्हीं **पाँच** के लिए एक-एक शब्द लिखिए : 5

(i) अगहन और पूस में पड़ने वाली ऋतु

(ii) अधिक और व्यर्थ बोलने वाला

(iii) जो फल का आहार करता है ।

(iv) उपकार के प्रति किया गया उपकार

(v) वचन द्वारा जो कहा नहीं जा सकता

(vi) संध्या और रात के बीच का समय

(vii) हाथ में सारंग धारण करने वाला

(ई) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** वाक्यों में गलत वर्तनी वाले शब्द तथा दो अशुद्ध वाक्य शुद्ध कीजिए : 5

(i) कलम मेज पर रक्खी है ।

(ii) व्यावहारिक पत्र-लेखन का महत्व प्रतिपादित कीजिए ।

(iii) वाक्यों में विराम-चिन्हों का समुचित प्रयोग होना चाहिए ।

(iv) अनाधिकार चेष्टा क्यों करते हो ?

(v) राम की बगल में गोविन्द बैठा था ।

(vi) अध्यापक ने विद्यार्थियों से कहा कि भारत उनका देश है ।

(vii) अपने प्रियजन से विछोह होते ही उसकी आँख से आँसू निकल पड़ा ।

5. (क) निम्नलिखित लोकोक्तियों में से किन्हीं **पाँच** का अर्थ लिखते हुए उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए : 10

(i) ब्याह नहीं किया तो क्या, बरात तो गये हैं ।

(ii) भले का ज़माना नहीं है ।

(iii) जब तक पहिया लुढ़कता है तभी तक गाड़ी है ।

(iv) गाँव के जोगी जोगना, आन गाँव के सिद्ध ।

(v) समझ का घर दूर है ।

(vi) सयाने को जरा इशारा, मूरख को कोड़ा सारा ।

(vii) भीख में पछोड़ क्या ।

(viii) जहाँ चाह, वहाँ राह ।

(ख) निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं **पाँच** का अर्थ लिखते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए : 10

(i) आँखों में धूल झोंकना

(ii) जोड़-तोड़ मिलाना

(iii) थाली का बैंगन होना

(iv) पगड़ी उछालना

(v) बालू की भीत

(vi) मन के लड्डू खाना

(vii) आठ-आठ आँसू बहाना

(viii) कागज़ी घोड़े दौड़ाना

6. कार्यालयों में कम्प्यूटर की उपयोगिता कितनी है ? सरकारी कामकाज में हिन्दी क्षेत्र में कम्प्यूटर के प्रयोग की बढ़ती सम्भावनाओं पर एक निबंध लिखिए । 10